ISSN 0975-850X
(Impact Factor 4.375)

अतिथि सम्पादक :
डॉ. एम. फ़ीरोज़ अहमद

अनुसंधान

(त्रैमासिक शोध पत्रिका)

Peer Reviewed International Journal

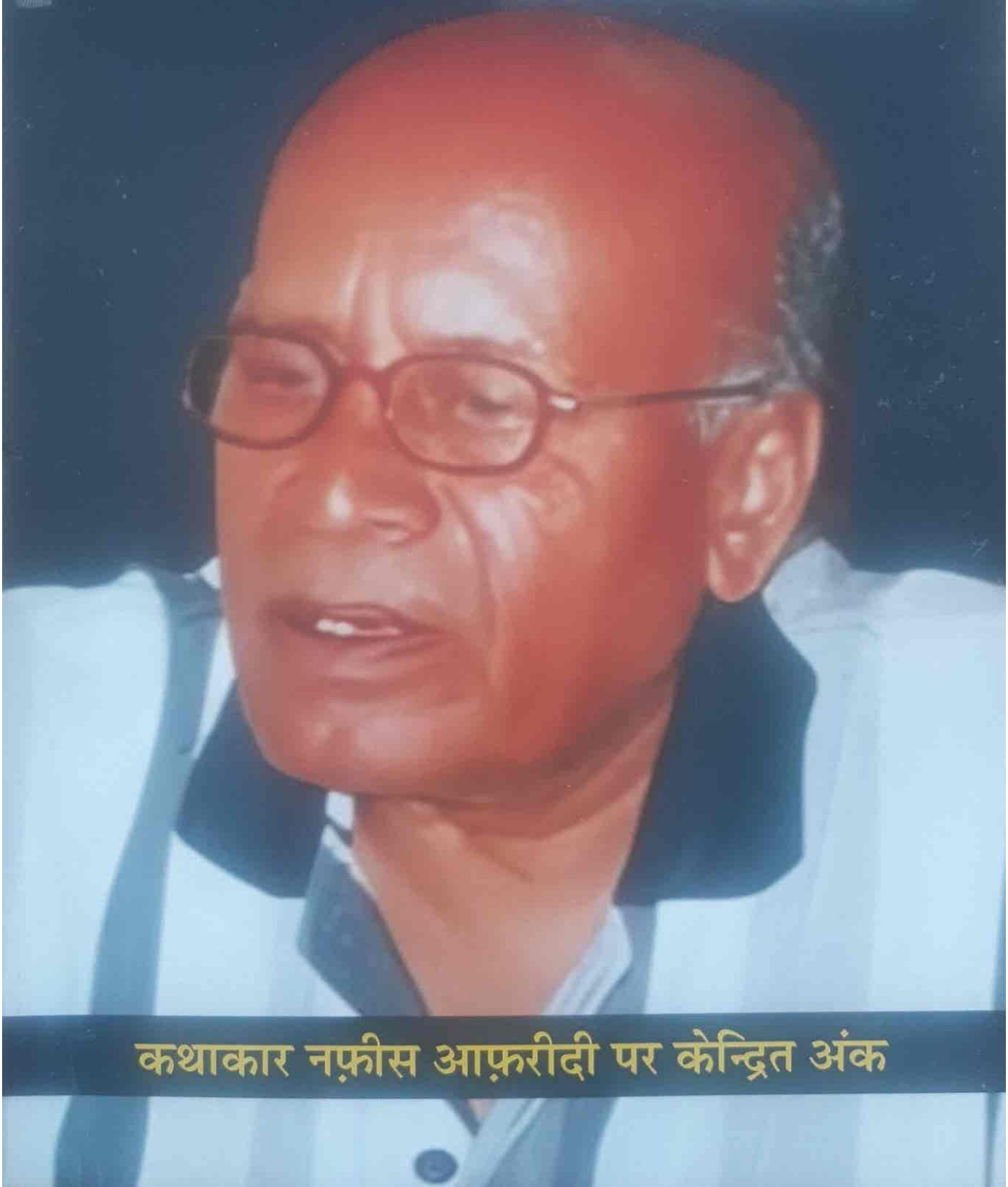

कथाकार नफ़ीस आफ़रीदी पर केन्द्रित अंक

ISSN 0975-850X

अनुसंधान शोध त्रैमासिक

अप्रैल 2023-दिसम्बर 2023 (संयुक्तांक)

सम्पादक
डॉ. शगुफ़्ता नियाज़

सलाहकार सम्पादक
डॉ. एम. फ़ीरोज़ खान

परामर्श मण्डल
प्रो. रामकली सराफ(वाराणसी)
कादम्बरी मेहरा(यू.के.)
डॉ. नितिन सेठी (बरेली)

इस अंक का मूल्य–200/

सम्पादकीय कार्यालय :

205 फेज-1, ओहद रेजीडेंसी, नियर पान वाली कोठी, दोदपुर रोड, सिविल लाइन, अलीगढ़-202002, *vangmaya@gmail.com, Mob- 7007606806*

सहयोग राशि :

द्विवार्षिक शुल्क व्यक्तिगत/संस्थाओं के लिए : 800/

12. 'दूसरी दुनिया' में अभिव्यक्त मुस्लिम संस्कारों का नयापन/104
डॉ. जितेश कुमार
13. मध्यवर्ग की विसंगतियों का अद्‌भुत कथाकार : नफ़ीस आफ़रीदी/110
प्रो. राधेश्याम सिंह
14. नफ़ीस आफ़रीदी की कहानियों में मानवीय सरोकार
(संदर्भ-बाबू की बगिया कहानी-संग्रह)/120
ललिता यादव
15. 'बाबू की बगिया' में उपेक्षित भावनओं से उत्पन्न हीनताबोध/126
डॉ. रेनू यादव
16. पारिवारिक-सामाजिक रिश्तों की सीमाओं को विस्तार देती
नफ़ीस आफ़रीदी की कहानियाँ/133
डॉ. कुलभूषण मौर्य
17. अनछुए सामाजिक पक्षों को उभारती नफ़ीस आफ़रीदी की कहानियाँ/141
डॉ. सुशील कुमार
18. उपेक्षित मन की गिरह खोलती कहानियाँ/148
(संदर्भ-क़िस्सा-दर-क़िस्सा कहानी-संग्रह)
सुधा जुगरान
19. रिश्तों की गाँठे खोलती कहानियाँ/156
(संदर्भ-क़िस्सा-दर-क़िस्सा कहानी-संग्रह)
डॉ. प्रीति सिंह
20. नफ़ीस आफ़रीदी की कहानियों का सामाजिक अवबोध/166
डॉ. चंद्रकांत सिंह
21. नफ़ीस आफ़रीदी की कहानियों में निम्न-मध्यवर्गीय जीवन संघर्ष/174
आशीष कुमार मौर्य
22. 'अग्निकुण्ड' : मुस्लिम स्त्रियों की व्यथा-कथा/181
प्रियंका मौर्य

खण्ड- ग (विविध)

23. हिंदी साहित्य का अर्चित पक्ष और नफ़ीस आफ़रीदी का रचनाकर्म/189
डॉ. योगेंद्र सिंह
24. इंटरव्यू/198

रिश्तों की गाँठें खोलती कहानियाँ

(संदर्भ- क़िस्सा-दर-क़िस्सा कहानी-संग्रह)

डॉ. प्रीति सिंह

नफ़ीस आफ़रीदी हिंदी जगत के एक ऐसे साहित्यकार है, जिन्होंने समाज में बिखरे हुए अनेक विषयों को समेट कर अपनी लेखनी चलाई। जिस तरह से एक गुलदस्ते में अनेक रंग-बिरंगे फूलों को एक साथ रखा जाता है, उसी प्रकार मानवीय जीवन से जुड़े विविध यथार्थ सम्बन्धों को नफ़ीस आफ़रीदी ने यर्थाथपरक दृष्टि से उकेरने का सफल प्रयास किया है। उन्होंने अग्निकुण्ड, अपनी-अपनी सीमाएँ, धूप का दरिया, दूसरी दुनिया, मिट्टी का माधो, बाबू की बगिया, क़िस्सा-दर-क़िस्सा आदि प्रमुख संग्रह लिखे हैं। वायदा-खिलाफ़, खुले हुए दरीचे, एक थका सच, फिर भी अकेले आदि अनेक प्रमुख उपन्यास हैं। शवयात्रा और प्रभु तेरी माया नफ़ीस आफ़रीदी के प्रमुख नाटक हैं। साथ ही आपने 'नन्हा शहीद' नामक बाल उपन्यास भी लिखा। कहा जाए तो हिंदी की विविध विधाओं में आपने लेखन कार्य किया है, जो साहित्य की अमूल्य धरोहर है।

नफ़ीस आफ़रीदी का कहानी-संग्रह 'क़िस्सा-दर-क़िस्सा' एक ऐसा ही कहानी संग्रह है, जिसमें लेखक मानवीय संवेदनाओं को यथार्थ के धरातल पर प्रस्तुत करता है। इस कहानी-संग्रह का प्रथम संस्करण वर्ष 2016 में प्रकाशित हुआ है। नफ़ीस आफ़रीदी लिखते हैं- "मेरे भीतर लावे होते हैं और आँखों की दहलीज पर पानी की लरजती हुई असंख्य बूँदें। बहुत गर्म-मिज़ाज़ हूँ, लेकिन बर्फ की मानिंद ठंडा भी। अजीब-सा घाल-मेल है, ये स्थितियाँ मुझे बार-बार यातनाओं के जंगल में धकेल देती हैं। बहुत अच्छी तरह जानता-समझता हूँ, फिर भी न जाने कैसे इस नागपाश में जकड़ा रहता हूँ।"[1]

यहाँ लेखक पहले ही कहानीकार के नोट्स में सभी स्थितियाँ स्पष्ट कर देता है कि उनकी लेखनी मानवीय सम्बन्धों का यथार्थ है, जहाँ सुख-दुख, उतार-चढ़ाव सभी मिश्रित है। जहाँ प्रत्येक रिश्ता कभी किसी गाँठों में उलझता है और फिर वही गाँठ उस रिश्तों को सुलझा भी देती है। वे लिखते हैं- "यही रिश्ता मेरी कहानियों का वस्तु सत्य है कि तेज-तरीरी और आँखों का दर्द, जो मेरा अपना तो है लेकिन उस पर मेरा कोई दावा नहीं। रचनाकार का निजी और एकांतिक अंतः मन भी समाज सापेक्ष होता है। क्योंकि वह सीधा अपने समय के जीवन और जगत के प्रति जिम्मेदार है।"[2]